प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कुलपति द्वारा आईडीएफ, नगला पर चल रहे चारा शोध का भ्रमण

पन्तनगर। 27 मई 2024। विश्वविद्यालय के चारा ब्लाक, आईडीएफ, नगला पर कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा भ्रमण किया गया जहां पर चारे की विभिन्न फसलें यथा नेपियर घास, रेमी घास, रोडे, गिनिया, ब्लूपेनिक, ब्रूम, पैरा, स्पीयर, अजोला तथा चारे के लिए विभिन्न पेड़ जैसे सूबबूल, दशरथ, बकाईन, सैलिक्स, प्रोसोपिस ज्योलिफ्लोरा, मोरिंगा आदि लगाये गये है। नेपियर घास जैविक और रासायनिक दोनों विधियों से उगायी जा रही है। कुलपति ने भ्रमण के दौरान बताया कि रेमी घास चारे के लिए ही नहीं बल्कि एक मजबूत रेशे के लिए भी अच्छी मानी जाती है। रेमी घास पर पन्तनगर कृषि विश्वविद्यालय में शोध राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के सहयोग से प्रारम्भ किया गया। यह घास असम में उगायी जाती है और जैसे–जैसे गर्मी बढ़ती है और पानी मिलता है इसकी वानस्पतिक वृद्धि तीव्र गति से होती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में इसके रेशे की गुणवत्ता की परख के लिए शोध कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है और इसके रेशे की मजबूती के मद्देनजर कपड़ा उद्योग में इसके प्रयोग की बहुत अधिक संभावना है। उनके द्वारा मोरिंगा की पोष्टिक गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसकी खेती को भी वृहद स्तर पर किये जाने हेतु बल दिया गया। कुलपति ने कहा कि हमारे देश में 38 प्रतिशत चारे की कमी है अतः चारे वाली विभिन्न फसलों की उत्पादकता को बढ़ाये जाने की अत्यंत आवश्यकता है साथ ही अजोला पर और अधिक कार्य किये जाने की भी आवश्यकता है। कुलपति द्वारा डा. एम.एस. पाल, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान एवं उनकी टीम द्वारा चारे पर किये जा रहे कार्यों की सराहना की गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन, अधिष्ठाता कृषि डा. ए.के. कश्यप, अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय डा. एस.पी. सिंह, अधिष्ठाता सामुदायिक महाविद्यालय डा. अल्का गोयल, निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल, संयुक्त निदेशक आईडीएफ डा. एस.के. सिंह, संयुक्त निदेशक शोध डा. अनिल यादव आदि उपस्थित थे।

आईडीएफ, नगला पर चारा शोध का भ्रमण करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

निदेशक संचार